B.Ed Part 3
Education Psy.
Paper - 3

Page No.:
Date: / /

Physically handicapped children

Physically handicapped का तात्पर्य ऐसे बालकों से है जो मानसिक न्यूनता या शारीरिक विकृति से ग्रस्त हो। इस तरह विकलांग के दो प्रकार होते हैं
(1) Mental handicap (2) Physical handicap.

जो बालक ज्ञानात्मक, क्रियात्मक या अन्य शारीरिक दोषों से पीड़ित होते हैं, उन्हें हम शारीरिक विकलांग कहते हैं। विकलांग बालक शारीरिक दोषों को छोड़ कर ये सामान्य बालकों के समान होते हैं उनकी योग्यता सामान्य या औसत बालकों के समान होती है ऐसे बालकों की शिक्षा का उद्देश्य मात्र उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं है बल्कि उन्हें इस योग्य बनाना है कि वे वैयक्तिक, सामाजिक एवं व्यवसायिक रूप से समायोजित हो कर अपने जीवन को सफल बना सकें।

Types of Physically handicapped children

Physically handicapped children के निम्न मुख्य प्रकार हैं

1- children with visual disabilities
2. " " hearing impairment
3. " " speech empairment.

1- children with visual ~~empairment~~ disabilities वाले बालकों का तात्पर्य ऐसे बालकों से है जो पूर्ण रूप से अंधे ~~होते~~ या आंशिक अंधे होते हैं ऐसे बालकों की कई विशेषताएं होती हैं

1- visual disabilities वाले बालक की अन्य sense organs जैसे - कान, नाक आदि की कार्यप्रणाली सामान्य नहीं होती है

2- ऐसे बालक की सामान्य शिक्षण योग्यता सामान्य बालकों के समान होती है

3- ऐसे बालकों को map, films तथा अन्य visual materials से लाभान्वित होने का अवसर नहीं मिलता है

4- ऐसे बालकों में दूसरों के साथ - interaction के समय शारीरिक भाषा तथा अन्य non-verbal cues के निरीक्षण की योग्यता नहीं होती है

Page No.:
Date: / /

इससे कुछ बालक पूर्ण रूप से अन्धे होते हैं और कुछ आंशिक रूप से। अनुसन्धानों से पता चलता है कि पूर्ण अन्धापन जन्मजात होता है और आंशिक अर्जित। इन दोनों प्रकार के बालकों की शिक्षा तथा समायोजन की व्याख्या हम अलग-अलग करेंगे।

Education and Adjustment of complete Blind children.

पूर्ण अन्धे बालक की शिक्षा तथा समायोजन के लिए निम्नलिखित उपायों का वर्णन मिलता है।

1 - Braille system - पूर्ण अन्धे बालकों को शिक्षित करने का सबसे उत्तम और उपयोगी उपाय यही है कि उन्हें ब्रेल system से शिक्षा दी जाए।
इस पद्धति का आविष्कार Louis Braille ने 1855 ई० में अन्धे व्यक्तियों को पढ़ना - लिखना ~~सिखाना~~ को सिखाने के उद्देश्य से किया जाता था। इसमें बालकों को Braille Book, Braille slate Typewriter, Braille Apsahet को stylus की मदद से सिखाया पड़ता है।

Braille Alphabet के इन्वेंटर की मदद से सिखाया जाता है। इसमें एक विशेष प्रकार की metal plate पर बिन्दुओं के खास आकारों में लिखे जाते हैं। इन आकारों में 6: छ: बिन्दु होते हैं जिनकी सहायता से वे विभिन्न अक्षरों को लिख पाते हैं। इसी तरह वे अपनी अंगुली की नोक के द्वारा अंकित अक्षरों को पढ़ते हैं। इस पद्धति के द्वारा विदेश एवं स्वदेश के अन्धे बालकों को शिक्षित किया जा रहा है।

2- Electric devices — इसमें एक electric pencil होती है जिसकी सहायता से बालक Braille book पढ़ पाते हैं। pencil को printed Lines पर रखमान से विशेष अक्षर की तरह ही आवाज पैदा होती है। आवश्यकता होने पर बालकों के कान में ear-phone लगा दिया जाता है, ताकि वे आवाज को सुन और समझ सकें।

3 – Special curriculum – Wallin तथा Kalstone ने अपने अध्ययनों के आधार पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम की सिफारिश की है। ऐसे बालकों में संगीत की चातुरी अधिक होती है अतः इन्हें संगीतज्ञ बनने का पूरा-2 अवसर मिलना चाहिए। इसी तरह motor training भाषा दोष को दूर करना, बोलने का प्रशिक्षण, उद्योग तथा दस्तकारी का समावेश भी curriculum में होना चाहिए।

4 – Special Residential school –
अन्धे बच्चों की शिक्षा के लिए शिक्षा मनोवैज्ञानिकों ने विशिष्ट आवासीय स्कूल की स्थापना पर जोर दिया है। इसके लिए एक अलग स्कूल की व्यवस्था होनी चाहिए। जिसमें पढ़ने का प्रबन्ध हो जब इन्हें शिक्षा की मौलिक रूप-रेखा का ज्ञान हो जाए तो इन्हें किसी public school में स्थानान्तरित कर देना चाहिए, ताकि वे आँख वाले बालकों के साथ – अभियोजित होना सीखें।

Education and Adjustment of Partial Blind children

1- Conservation — जो बालक किसी प्रकार के visual defect से पीड़ित हो उनके लिए एक विशिष्ट कक्षा का प्रबन्ध होना चाहिए। कक्षा में रोशनी का उचित प्रबन्ध आवश्यक है। 50 फुट कैन्डिल रोशनी पूरे कमरे में हो तो अधिक अच्छा है। कमरे को आन्तरिक और बाह्य चमक से सुरक्षित होना चाहिए Room well equiped हो।

2- Special didactic materials — शिक्षा विशेषज्ञ ने ऐसे बालकों की शिक्षा के लिए कुछ खास किस्म की अध्ययन सामग्री की सलाह दी है मोटे अक्षरों में स्पष्ट रूप से छपी पुस्तकों का प्रबन्ध होना चाहिए 18 से 24 Points की छपाई उपयुक्त है।

2- उन्हें हल्का पीला रंग पर लिखने को कहा जाए।

3- उन्हें भारी लीड वाली pencil से लिखने को कहा जाए।

Page No.:
Date: / /

Technological aids :- ~~Visual~~ Visual disabilities से पीड़ित बालकों की शिक्षा की व्यवस्था सामान्य वर्ग में भी की जा सकती है ऐसी ~~हालत~~ हालत में इन्हें दृष्टि संबंधी सहायता मिलनी चाहिए ताकि वे सामान्य बालकों के साथ चल सके इसके लिए आवश्यकतानुसार चश्मा आदि का प्रबन्ध किया जा सकता है। इसके लिए कई तरह के computers को अपनाया गया है।

4- Recitation with normal children - संरक्षण कक्षा में पढ़ लेने के बाद ऐसे बालकों को सामान्य दृष्टि वाले बालकों के साथ रखा जाए तथा पढ़ाए गए विषयों को दोहराने के लिए कहा जाए। लेकिन यहाँ शिक्षक को बहुत सावधान रहना होगा ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर इन्हें visual aid संबंधी सहायता दे सकें। इस प्रकार के लिखना पढ़ना सीखने के साथ-2 सामान्य बालकों के साथ सामाजिक एवं संवेगात्मक अभियोजन करना भी सीख सकेंगे।